13 डिजिटल साक्षरता

हम सीखेंगे

- मोबाइल व इंटरनेट के विभिन्न उपयोगों के बारे में जानना

अब राह हुई आसान

महिपाल जामनगर रहता है। वह खेती करता है। उसके पास करीब 8.2 एकड़ ज़मीन है। उसके तीन बच्चे हैं। एक बेटा और दो बेटियाँ। तीनों बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं। महिपाल केवल छठी कक्षा तक पढ़ा है। वह चाहता है कि उसके बच्चे खूब पढ़ें। उसने उनकी पढ़ाई के लिए लोन लेकर एक मोबाइल भी खरीदा।

बच्चों को पालने के लिए महिपाल और उसकी पत्नी बहुत मेहनत करते हैं। उन्होंने पिछले खरीफ़ में धान की खेती की और रबी में मकई की। महिपाल ने खेती शुरू करने के लिए पूरी योजना बनाई थी कि कितने

पैसे चाहिए होंगे। जैसे- मक्के के बीज खरीदना, खेत के लिए खाद, यूरिया आदि। उसे सिंचाई के लिए बार-बार पंप किराए पर लेने के लिए भी पैसे चहिए थे। उसे दो मज़दूरों को भी काम पर रखना था। महिपाल ने एक बजट बनाया। उसके पास इन सबके लिए उतने पैसे नहीं हैं, जितनी ज़रूरत है। महिपाल और उसकी पत्नी ने फ़ैसला किया कि वे अपनी पिछले साल की बचत को इसमें लगा देंगे और बची हुई रकम के लिए ग्रामीण बैंक से लोन ले लेंगे। महिपाल इतने

स्रोत: https://play.google.com/store/apps/details?id=in.farmguide.farmerapp.central&hl=en_IN&gl=US

स्रोत: https://mkisan.gov.in/

पैसे लगाने में डर रहा था, क्योंकि उसे बच्चों की पढ़ाई और घर खर्च के साथ मोबाइल का लोन भी चुकाना था।

महिपाल बहुत समझदार है। उसने मोबाइल का इस्तेमाल बच्चों की पढ़ाई के लिए भी किया। साथ ही मोबाइल की मदद से भारत सरकार की नई कृषि पद्धतियाँ और योजनाओं के बारे में जाना। इसके लिए उसने ई-चौपाल, डिजिटल मंडी इंडिया, एम किसान आदि ऐप भी मोबाइल में डाउनलोड किए।

रोज़ शाम को महिपाल और उसके बच्चे मोबाइल खोल लेते। वे देखते कि स्थानीय प्रशासन द्वारा दी जा रही सहायता से वे अपनी खेती में कैसे सुधार कर सकते हैं।

स्रोत: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.itcinfotech.echoupal&hl=zu&gl=US

महिपाल एम किसान ऐप से जुड़ गया। यहाँ पर मौसम, बीज और खाद के दाम, अपेक्षित बिक्री मूल्य आदि से जुड़ी सलाह और सूचना मिलती रहती है। इससे उसने हिसाब लगाया कि ये सब खरीदने में उसे कितना खर्च करना

चाहिए। अब महिपाल घर बैठे ही मोबाइल से सारी जानकारी ले लेता था। मौसम की अनियमितता को देखते हुए महिपाल ने क्रॉप-इंश्योरेंस मोबाइल ऐप्लिकेशन पर भी पंजीकरण कर दिया जिससे उसे कम से कम कीमत पर अपनी फसल का बीमा करने में सहायता मिली। किसी भी स्थिति में फसल खराब होने पर उसे अधिकांश पैसा वापिस मिल जाएगा। अन्य किसानों से बात करने और नए विचारों को जानने के लिए वह ई-चौपाल पर भी जुड़ा।

एक दिन वह सिंचाई के लिए पंप किराए पर लेने ही वाला था कि उसे एम किसान ऐप से पता चला कि अगले हफ़्ते भारी बारिश होने वाली है। इस जानकारी से उसने पंप किराए पर नहीं लिया और अपनी समझदारी से पैसों की बचत भी की।

कटाई के समय मोबाइल पर एक अलर्ट आया कि अगले कुछ दिनों में जिले में चक्रवात आ सकता है। इससे पहले कि फसल आँधी और बारिश से खराब होती, महिपाल ने और मज़दूर किराए पर लगाकर अपनी फसल की कटाई कर ली।

महिपाल ने अपनी फसल को बचाने और इस मौसम की अच्छी पैदावार के लिए बहुत समझदारी से फ़ैसले लिए। यह सब मोबाइल पर मौजूद ऐप की मदद से हुआ जहाँ वह जानकारों और स्थानीय अधिकारियों से सलाह लेता था।

मोबाइल की मदद से बच्चों ने अच्छे से पढ़ाई भी की। साथ ही महिपाल ने इस साल अच्छी फ़सल से अच्छी कमाई भी की। उसने मोबाइल का लोन भी चुकाया और कुछ पैसा बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिए बैंक में भी जमा किया।

बातचीत के लिए

प्रश्न 1. महिपाल ने रबी में कौन-सी फसल बोई?

प्रश्न 2. महिपाल को बीज और खाद की उचित कीमत के बारे में कैसे पता चला?

प्रश्न 3. क्या महिपाल ने बरसात से पहले सिंचाई पंप किराए पर न लेकर गलती की?

प्रश्न 4. महिपाल को जानकारों से मौसम, बिक्री व खरीद मूल्य आदि की जानकारी कैसे मिलती थी?

प्रश्न 5. दो ऐप के नाम बताइए जिनका उपयोग किसान अपनी खेती में सुधार लाने और अच्छी बेहतर फ़सल प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं।

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश— 'डिजिटल साक्षरता' विषय पर बातचीत कीजिए। सहभागियों से मोबाइल के दैनिक प्रयोग पर बातचीत कीजिए। मोबाइल के विभिन्न प्रयोगों पर चर्चा कीजिए।

CNCL NCERT

मोबाइल की दुनिया

निशा ने बाबा के बैंक खाते को मोबाइल नंबर से जोड़ दिया था। उसने बाबा को फ़ोन पर मोबाइल से बिजली का बिल जमा करना, फ़ोन रिचार्ज करना सिखा दिया था। सभी तरह के बिल बाबा फोन से जमा करते, पैसा उनके खाते से ट्रांसफर हो जाता था। इससे बाबा का दफ़्तरों और दुकानों पर आने-जाने का झंझट खत्म हो गया था। छुट्टियों के बाद निशा शहर चली गई। वह वहाँ पढ़ाई कर रही थी। कभी-कभी वह अपने कॉलेज के फ़ोटो और कभी वीडियो भी भेजती।

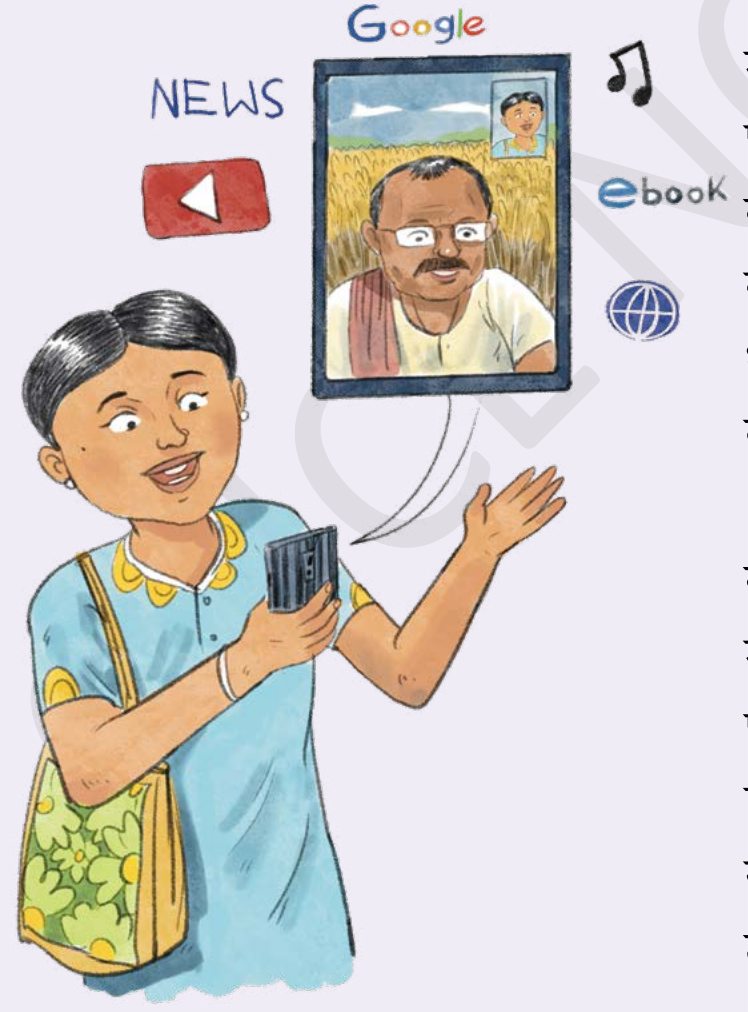

बाबा उसकी भेजी चीज़ को उत्सुकता से देखते। व्हाट्सएप पर संदेश लिखकर अपनी राय बताते। पत्रों की जगह अब बाबा उसे ई-मेल किया करते थे। इससे डाक खर्च और समय दोनों की बचत होती थी।

एक दिन निशा ने बाबा को वीडियो कॉल किया। बाबा ने उसे बताया, "अब मैं यू-ट्यूब पर लोकगीत सुनकर ही सोता हूँ। तुझे एक और बात बताऊँ, सारे खबरिया चैनल भी यू-ट्यूब पर दिख जाते हैं।"

निशा ने कहा, "वाह बाबा! आप तो हाइटेक हो गए! अच्छी बात है। अच्छा बाबा, एक बात तो बताओ। कभी किसी ने आपसे आपके एटीएम कार्ड का नंबर तो नहीं पूछा?"

बाबा बोले, "अरे हाँ, पूछा था एक दिन। पर मैंने नहीं बताया। फिर वह एटीएम का पिन भी पूछता और मेरे खाते से सारे पैसे चले जाते। मैं धोखे में नहीं आया।"

निशा बोली, "अच्छा किया बाबा! अब तो आप साइबर ठगों से बचना भी सीख गए।"

"शहर में कहीं आना-जाना हो तो कैब या मोटरसाइकिल बुक कर लिया करना। ज़रूरी किताब मँगानी हो तो आजकल मोबाइल से ही ऑर्डर हो जाती है। कई ऐप चल गए हैं। गूगल पर सर्च करेगी तो सब मिल जाएगा। ई-लाईब्रेरी पर भी किताबें खोजकर पढ़ी जा सकती हैं।" - बाबा ने सीख देते हुए बड़ी खुशी महसूस की।

बाबा तो मोबाइल के कुछ ज़्यादा ही जानकार हो गए हैं। सोचते हुए निशा मुस्कुराई।

फिर निशा ने वीडियो कॉल पर ही बाबा को अपना कॉलेज दिखाया। बाबा ने भी निशा को गेहूँ का खेत दिखाया, तालाब दिखाया जिसमें अब पानी काफ़ी कम हो गया था। वहाँ कुरजा और सारस दलदली ज़मीन पर टहल रही थीं।

बाबा को लगा जैसे वे शहर में बेटी के पास ही हैं। निशा को लगा जैसे वह कुछ पल के लिए गाँव के तालाबी खेतों में पहुँच गई है।

-प्रभात

बातचीत के लिए

प्रश्न 1. निशा ने बाबा को मोबाइल पर क्या-क्या सिखाया?

प्रश्न 2. बाबा ने निशा को मोबाइल के इस्तेमाल की क्या-क्या सीख दी?

प्रश्न 3. मोबाइल ने बाबा और निशा के बीच कि दूरी कैसे मिटाई? क्या आपको भी मोबाइल के इस्तेमाल से अपने किसी परिचित से दूरी मिटने जैसा अनुभव हुआ है? यदि हाँ, तो सभी के साथ साझा कीजिए।

प्रश्न 4. मोबाइल पर साइबर ठगी की घटनाएँ सुनने में आती हैं। इससे बचने के लिए हमें क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

पढ़िए, बताइए और लिखिए

नीचे दिए गए सवालों के जवाब लिखिए-

प्रश्न 1. मोबाइल के क्या-क्या लाभ हैं?

प्रश्न 2. मोबाइल का इस्तेमाल करते समय आप किन बातों का ध्यान रखते हैं?

© NCERT

प्रश्न 3. नीचे दिए गए सवालों के लिए सही जवाब पर सही (✓) का निशान लगाइए –

मोबाइल से किसका लेन-देन किया जा सकता है?

पैसों का

संदेशों का

तस्वीरों का

इन तीनों का

- **आप अपने मोबाइल का इस्तेमाल किस-किस काम के लिए करते हैं? एक सूची बनाइए।**

_____ _____ _____

_____ _____ _____

_____ _____ _____

- **किसी ऐसे अनुभव के बारे में बताइए जब आपको मोबाइल के कारण किसी काम में सुविधा हुई हो।**

CNCL NCERT

मोबाइल के कुछ अन्य प्रयोग

- एस.एम.एस से संदेश भेजा जाता है।
- कैलकुलेटर की मदद से हिसाब कर सकते हैं।
- अलार्म घड़ी सेट कर सकते हैं।
- कैलेंडर देख सकते हैं।
- स्टेप वाक चेक कर सकते हैं अर्थात आप कितनी दूर पैदल चलते हैं यह भी जाना जा सकता है।
- मोबाइल के जरिए ऑनलाइन पढ़ाई की जाती है। इसमें कुछ विशेष एप्लीकेशन होते हैं। जिससे सीधे कक्षा में जुड़ सकते हैं जैसे- ज़ूम मीटिंग, गूगल मीट, माइक्रोसाफ़्ट टीम्स आदि। इन ऐप्लीकेशन में पहले अपने आपको पंजीकृत करना पड़ता है।
- जी.पी.एस. (लोकेशन) के माध्यम से सही दिशा एवं मार्ग का पता चलता है।
- विभिन्न प्रकार के गेम खेल सकते हैं।
- फेसबुक चला सकते हैं।
- रेडियो सुन सकते हैं।
- ऑडियो यानी आवाज़ रिकॉर्ड कर सकते हैं। (गाने गाकर या कहानी सुनाकर) वीडियो बना सकते हैं।
- तापमान चेक कर सकते हैं।
- आस-पास में होटल, अस्पताल, स्कूल, रेलवे स्टेशन, पार्क आदि का पता लगा सकते हैं।

© NCERT

■ देखिए, पढ़िए और बातचीत कीजिए

आप अपने मोबाइल में इनमें से किन-किन का उपयोग करते हैं? सही (✓) का निशान लगाइए-

घड़ी

कैलेंडर

व्हाट्सऐप

एस.एम.एस.

कैलकुलेटर

गूगल मेप

यू-ट्यब

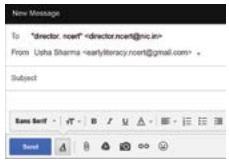

ई-मेल

फ़ेसबुक

संपर्क सूची

दीक्षा

टॉर्च

शिक्षक-निर्देश— सहभागियों के साथ एक-एक करके दिए गए चित्रों की पहचान करवाएँ। उन चित्रों के नीचे लिखे शब्द पढ़वाएँ। उनके इस्तेमाल के बारे में बातचीत करें। हो सकता है कि कुछ सहभागी इनके इस्तेमाल और कामों से परिचित न हों।

जानकारी के लिए

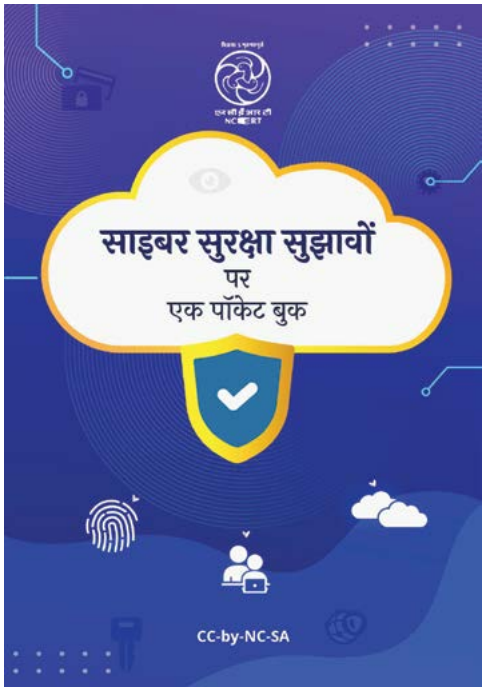
साइबर सुरक्षा सुझावों
पर
एक पॉकेट बुक
CC-by-NC-SA

सप्ताह
1
हेल्पलाइन नंबर :
1930
मुफ्त
मुफ्त में उपलब्ध सॉफ्टवेयर
से सावधान रहें!
शिकायत हेतु :
https://cybercrime.gov.in
विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश:
https://ciet.nic.in/pages.php?id=book-let-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

सप्ताह
5
हेल्पलाइन नंबर :
1930
PASSWORD
अपना पिन/ओटीपी/खाता
विवरण कभी भी किसी अनजान
व्यक्ति के साथ साझा न करें।
शिकायत हेतु :
https://cybercrime.gov.in
विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश:
https://ciet.nic.in/pages.php?id=book-let-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

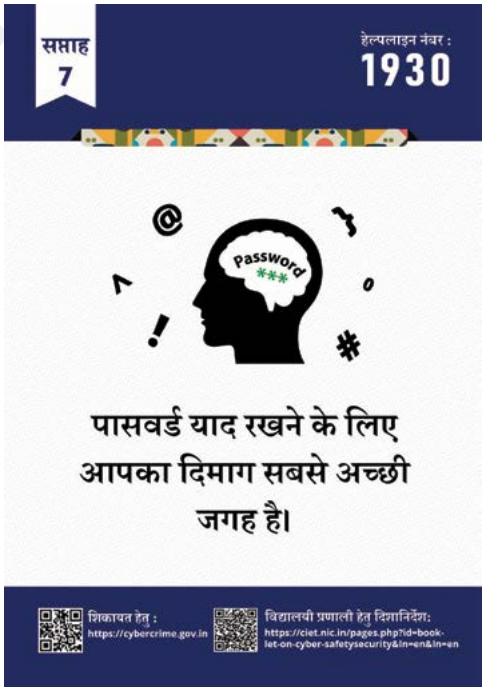
सप्ताह
7
हेल्पलाइन नंबर :
1930
Password
***
पासवर्ड याद रखने के लिए
आपका दिमाग सबसे अच्छी
जगह है।
शिकायत हेतु :
https://cybercrime.gov.in
विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश:
https://ciet.nic.in/pages.php?id=book-let-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

सप्ताह 10

हेल्पलाइन नंबर : 1930

स्पैम संदेशों में उपलब्ध लिंक को न खोलें।

शिकायत हेतु : https://cybercrime.gov.in

विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश: https://ciet.nic.in/pages.php?id=booklet-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

सप्ताह 11

हेल्पलाइन नंबर : 1930

आप जो कुछ भी ऑनलाइन पढ़ते हैं उन सभी पर विश्वास न करें।

शिकायत हेतु : https://cybercrime.gov.in

विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश: https://ciet.nic.in/pages.php?id=booklet-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

सप्ताह 14

हेल्पलाइन नंबर : 1930

व्यक्तिगत तस्वीरें ऑनलाइन साझा करने से पहले दो बार सोचें।

शिकायत हेतु : https://cybercrime.gov.in

विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश: https://ciet.nic.in/pages.php?id=booklet-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

सप्ताह 20

हेल्पलाइन नंबर : 1930

अगर आप किसी साइबर क्राइम के शिकार होते हैं, तो तुरंत रिपोर्ट करें।

शिकायत हेतु : https://cybercrime.gov.in

विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश: https://ciet.nic.in/pages.php?id=booklet-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

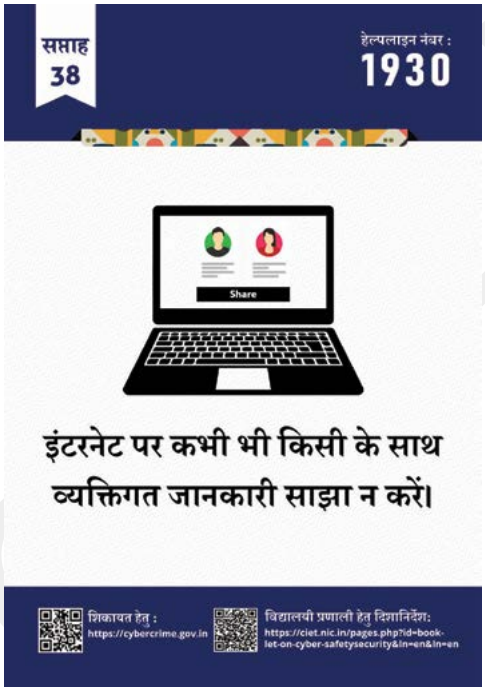

शिक्षक-निर्देश— दिए गए चित्रों के माध्यम से सहभागियों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक करें। सहभागियों के साथ 'नेटिकेट' (इंटरनेट शिष्टाचार) के व्यवहार के बारे में बातचीत करें। इस विषय में और अधिक जानकारी के लिए दिए गए लिंक का भी प्रयोग भी कर सकते हैं https://ciet.nic.in/flipbook/200-COPY-Cyber-Safety-Pocket-Book-HINDI-W-3-5inch-X-H-5inch/index.html#page=1